मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

- विजयवर्गीय किसी कार्यक्रम में नहीं होंगे शामिल
- राज्यपाल भोपाल में राज्य स्तरीय समारोह में लेंगे हिस्सा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 21 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मौके पर उज्जैन में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे, वहीं विधानसभा अध्यक्ष ग्वालियर तो उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा इंदौर में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे.

राज्य स्तरीय मुख्य समारोह राजधानी भोपाल के लाल परेड मैदान में होगा, जिसमें राज्यपाल मंगुभाई पटेल हिस्सा लेंगे. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सागर में ध्वज फहराएंगे. राज्य सरकार ने बुधवार को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह के लिये जिले तय कर दिये हैं, कि कौन मंत्री कहां ध्वज फहराएंगे. इस सूची में प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का नाम शामिल नहीं है, बताया जा रहा है कि उनके किसी पारिवारिक मित्र के यहां किसी परिजन के निधन के कारण वे इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे. हांलाकि गणतंत्र दिवस समारोह में किसी जिला मुख्यालय में होने वाले कार्यक्रम में शामिल नहीं होने पर चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है. 23 जिले ऐसे हैं, जहां किसी मंत्री के बजाय कलेक्टर ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे. इस दौरान वे मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन भी करेंगे.

कौन कहां फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

कुंवर विजय शाह -	रतलाम	प्रद्युम्न सिंह तोमर -	शिवपुरी
प्रहलाद पटेल -	रीवा	राकेश शुक्ला -	अशोकनगर
राकेश सिंह -	छिंदवाड़ा	चेतन्य काश्यप -	राजगढ़
करण सिंह वर्मा -	सिवनी	इंदर सिंह परमार -	दमोह
उदयप्रताप सिंह -	कटनी	कृष्णा गौर -	सीहोर
संपतिया उईके -	जबलपुर	धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी -	खंडवा
तुलसीराम सिलावट -	बुरहानपुर	दिलीप जायसवाल -	मंडला
एदलसिंह कंषाना -	दतिया	गौतम टेटवाल -	बड़वानी
सुश्री निर्मला भूरिया -	नीमच	लखन सिंह पटेल-	विदिशा
गोविन्द सिंह राजपूत -	गुना	नारायण सिंह पंवार -	रायसेन
विश्वास सारंग-	खरगौन	नरेन्द्र शिवाजी पटेल -	नर्मदापुरम
नारायण सिंह कुशवाह -	शाजापुर	प्रतिमा बागरी -	डिंडोरी
नागर सिंह चौहान -	आगर- मालवा	दिलीप अहिरवार -	अनूपपुर
		राधा सिंह -	मैहर

इन जिलों में कलेक्टर फहराएंगे ध्वज

देवास, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, मुरैना, मंदसौर, श्योपुर, भिंड, सीधी, सतना, मऊगंज, शहडोल, उमरिया, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, बैतूल, हरदा, सिंगरौली, नरसिंहपुर, बालाघाट और पांढुर्ना.

राजस्थान एसटीएफ की आरकेडीएफ पर कार्रवाई

भोपाल. आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी की गांधीनगर और कोलार शाखाओं में बुधवार को राजस्थान पुलिस की एसटीएफ ने सर्च ऑपरेशन किया. इसी सिलसिले में यूनिवर्सिटी के संचालक सुनील कपूर के निवास पर भी एसटीएफ पहुंची. यह कार्रवाई फर्जी मार्कशीट व शैक्षणिक दस्तावेजों से जुड़े मामले में की गयी. सूत्रों के अनुसार एसटीएफ की तीन टीमों ने एक साथ अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की. कार्रवाई की सूचना स्थानीय पुलिस को पूर्व में नहीं दी गई. इस बीच यूनिवर्सिटी परिसर का मुख्य गेट बंद रखा गया. बताया गया है कि रिकॉर्ड, फाइलें व शैक्षणिक दस्तावेज टीमों ने खंगाले. एसटीएफ की ओर से कार्रवाई को लेकर आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है.

दूषित पानी से एक और मौत, आंकड़ा 25 पहुंचा

इंदौर, 21 जनवरी. भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से फैली जलजनित बीमारी ने एक और जान ले ली. इलाज के दौरान एक ई-रिक्शा चालक की मौत के बाद इस मामले में मृतकों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है. लगातार हो रही मौतों से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है.

भागीरथपुरा निवासी 51 वर्षीय ई-रिक्शा चालक हेमंत गायकवाड़ 22 दिसंबर को दूषित पानी पीने के बाद अचानक बीमार पड़ गए थे. उल्टी दस्त की शिकायत पर उन्हें परदेशीपुरा स्थित वर्मा नर्सिंग होम में भर्ती कराया था. इलाज के बाद 28 दिसंबर को हालत में सुधार होने पर छुट्टी दे दी गई, लेकिन घर लौटने के कुछ दिन बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई. परिजनों का कहना हैं कि हालत गंभीर होने पर 7 जनवरी को उन्हें अरविंदो अस्पताल रेफर किया गया, जहां कई दिनों तक इलाज चला. बावजूद इसके मंगलवार देर रात करीब तीन बजे उनकी मौत हो गई. अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक मृतक पहले से सेल कार्सिनोमा कैंसर और किडनी की बीमारी से भी पीड़ित थे, हालांकि उन्हें गंभीर उल्टी दस्त की शिकायत के चलते भर्ती किया था.

हेमंत परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे और ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण करते थे. उनके परिवार में चार बेटियां—21 वर्षीय रिया, 20 वर्षीय जिया, 16 वर्षीय खुशबू और 12 वर्षीय मनाली हैं. मृतक की बेटी जिया ने बताया कि पहले 24 दिसंबर को वर्मा नर्सिंग होम में भर्ती कराया था, छुट्टी के बाद दोबारा तबीयत बिगड़ी और 8 जनवरी को अरविंदो अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, जहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई.

स्वास्थ्य विभाग ने डायरिया से मौत को नकारा

इधर स्वास्थ्य विभाग ने दूषित पानी से 25वीं मौत के दावे को गलत बताया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी के अनुसार भागीरथपुरा निवासी जिस व्यक्ति की मृत्यु हुई है, उसकी मौत डायरिया से नहीं बल्कि कार्डियो पल्मोनरी अरेस्ट से हुई है. मृतक पहले से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित था और अरविन्दो अस्पताल में उपचाररत था. विभाग का दावा है कि वर्तमान में डायरिया से प्रभावित कोई भी मरीज गंभीर स्थिति में नहीं है और अस्पतालों में भर्ती मरीज अन्य बीमारियों का निःशुल्क उपचार करा रहे हैं.

सिंहस्थ के बड़े प्रोजेक्ट की आहट, गरीबों की मंछामन मल्टी पर संकट

- पीएम आवास योजना की मल्टी अधर में, प्रशासन कर रहा पुनर्विचार
- अधूरी मल्टी और अटके भुगतान, अब खड़े हुए सवाल
- प्रोजेक्ट अन्यत्र शिफ्ट करने पर गरीबों को मिल सकते हैं आशियाने

प्रमोद व्यास

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाई जा रही मल्टियों की उपयोगिता पर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. जिस क्षेत्र में 4 हजार कमरों की विशाल धर्मशाला, सिक्स लेन- फोर लेन- टू लेन सड़कें और प्रस्तावित यूनिटी मॉल जैसे बड़े प्रोजेक्ट आकार ले रहे हैं, वहीं उसी इलाके में अधूरी पड़ी प्रधानमंत्री आवास की मल्टियां प्रशासन के लिए नई चुनौती बनती जा रही हैं.

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाई जा रही ये मल्टियां न तो पूरी हो सकी हैं और न ही अब तक हितग्राही यहां रहने आ पाए हैं.

निर्माण अधूरा है, भुगतान अटका हुआ है और आसपास जिस तेजी से बड़े प्रोजेक्ट विकसित हो रहे हैं, उसे देखते हुए प्रशासन को आशंका है कि यदि इन मल्टियों को मौजूदा स्थान पर ही शुरू किया गया तो भविष्य में विवाद, अव्यवस्था और प्रतिबंधात्मक गतिविधियां बढ़ सकती हैं.

2 मल्टीयां , दोनों अधूरी- दरअसल, सिंहस्थ 2016 के बाद मंछामन कॉलोनी और कानीपुरा क्षेत्र में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मल्टी निर्माण की शुरुआत की गई थी. कानीपुरा मल्टी, मंछामन मल्टी के लिए केंद्र सरकार द्वारा करोड़ों की राशि स्वीकृत की गई थी, साथ ही मंछामन मल्टी में 288 हितग्राहियों ने फ्लैट के लिए बुकिंग कराई थी.

मल्टी को शिफ्ट करने पर मंथन

सूत्रों के मुताबिक, अब उज्जैन के अधिकारी इस पूरे मामले पर मंथन कर रहे हैं कि क्या प्रधानमंत्री आवास की इन मल्टियों को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर शिफ्ट किया जा सकता है. यदि ऐसा होता है तो जहां अभी मल्टी का निर्माण हुआ है, वह बहुमूल्य जमीन सिंहस्थ से जुड़े किसी बड़े प्रोजेक्ट के काम आ सकती है.

गरीबों को फ्लैट देना प्राथमिकता

अब प्रशासन इस निष्कर्ष पर पहुंचता नजर आ रहा है कि गरीबों के लिए बनाई जा रही इन मल्टियों को ऐसे स्थान पर शिफ्ट किया जाए, जहां निर्माण तेजी से पूरा हो सके और हितग्राहियों को जल्द अपना आशियाना मिल सके। वहीं मौजूदा स्थल पर जो निर्माण हो चुका है, उसे किसी अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए उपयोग में लाया जा सके.

मुख्यमंत्री तक पहुंचेगी बात-यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो इस संबंध में जल्द निर्णय लिया जा सकता है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा, ताकि सिंहस्थ की तैयारियों और प्रधानमंत्री आवास योजना-दोनों के बीच संतुलित और व्यवहारिक समाधान निकाला जा सके.

धार में बसंत पंचमी उत्सव को लेकर प्रशासन सतर्क

इंदौर. इंदौर संभाग के धार में बसंत पंचमी उत्सव को दृष्टिगत रखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. जिले में सुरक्षा की दृष्टि से चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है.

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्र ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न स्थानों पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं, ताकि किसी भी स्थिति पर त्वरित नियंत्रण किया जा सके.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**